पाठ 2. आसमान गिरा

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में भावनाओं पर नियंत्रण संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे उत्तेजित व उद्वेलित करने वाले कारकों से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता बढ़ा सकें। इस पाठ में बताया गया है कि बिना सोचे-समझे किसी की नकल करना उचित नहीं है।

पाठ का सार

एक दिन खरगोश नारियल के पेड़ के नीचे बैठा था। तभी एक नारियल ज़मीन पर गिरा। खरगोश डरकर भागने लगा। उसे लगा कि शायद आसमान गिर रहा है। रास्ते में उसे सियार तथा उसके बाद हाथी मिला। उन दोनों ने खरगोश की बात मान ली तथा उसके साथ वे भी भागने लगे। उन तीनों की मुलाकात शेर से हुई। अंत में चारों एक साथ नारियल के उस पेड़ के नीचे पहुँचे जहाँ पर आसमान गिरने के बारे में खरगोश ने बताया था। वहाँ नारियल पड़ा था। तभी एक और नारियल टूटकर गिरा। उस नारियल के गिरने की आवाज़ से सभी का भ्रम दूर हुआ और वे सच्चाई समझ गए।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कहानी को अलग-अलग अंशों में बाँटकर उनका वाचन अलग-अलग बच्चों से करवाएँ और अर्थ समझाते जाएँ। बीच-बीच में जंगल में रहने वाले जीव-जंतुओं, आदि की चर्चा करें। कहानी से मिलने वाले संदेश के बारे में बच्चों से विशेष रूप से चर्चा करें। दूसरों की बात को बिना सोचे-समझे मान लेना गलत है, यह बताने की चेष्टा करें। इस कहानी को अफ़वाह फैलाने वाले लोगों व स्थितियों से जोड़कर उदाहरण प्रस्तुत करें। बच्चों के जीवन से जुड़ी ऐसी किसी घटना के बारे में जानकारी लें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 23** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य व्याकरण एवं रचना पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - बच्चों को **ज़** और **ज** के उच्चारण में अंतर बताएँ। इनके प्रयोग से अर्थ में होने वाले अंतर भी बताएँ, जैसे–**राज़** का अर्थ होता है **रहस्य** जबकि **राज** का अर्थ होता है **शासन।**
  - बच्चों को अलग-अलग वस्तुओं, स्थानों, व्यक्तियों, आदि का नाम बताते हुए समझाएँ कि नाम से ही उनकी पहचान होती है। हाँ, संज्ञा शब्द की परिभाषा देने से परहेज़ करें।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - जानवरों के खानपान की चर्चा करें। साथ ही बच्चों से खानपान संबंधी उनकी आदतों के बारे में जानें।
  - सियार को धूर्त जानवर माना जाता है। 'रँगा सियार' नामक कहानी की चर्चा की जा सकती है।